मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MJY–008

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.जे.वाई.-008 : फल-विचार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* 3×20=60

1. द्वादश भावगत धनु आदि **चार** राशियों का फल वर्णित कीजिए।

2. द्वादश भावगत मंगल और बुध ग्रहों के फल का वर्णन कीजिए।

3. जन्मकुण्डली के द्वारा रोग निर्धारण कैसे किया जाता है ? टिप्पणी लिखिए।

4. सुत भावेश की विविध भावों में स्थितिवशात् फल वर्णित कीजिए।

5. आयुर्निर्णय की विविध विधियों पर प्रकाश डालिए।

6. द्वादश भावों में सिंह राशि के फल का विस्तृत विवेचन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* $4 \times 10 = 40$

1. आय भावगत विषयों का विचार प्रस्तुत कीजिए।

2. आजीविका विचार पर विमर्श प्रस्तुत कीजिए।

3. वाहन व कीर्ति योगों का वर्णन कीजिए।

4. दीर्घायु के ज्योतिषीय योगों का वर्णन कीजिए।

5. मृत्युकाल का निर्धारण कैसे किया जाता है ? वर्णन कीजिए।

6. कष्टमय दाम्पत्य जीवन के ज्योतिषीय योगों का वर्णन कीजिए।

7. विवाह काल का निर्धारण कैसे किया जाता है ? वर्णन कीजिए।

8. चतुर्थ भाव में विविध ग्रहों की स्थिति वशात् फल वर्णन कीजिए।

× × × × ×